भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2048

(दिनांक 11.02.2026 को उत्तर देने के लिए)

राष्ट्रीय प्रसारण संगठनों के दर्शकों की संख्या में गिरावट

†2048. श्री टी. आर. बालूः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि राष्ट्रीय प्रसारण संगठनों, टेलीविजन और रेडियो दोनों, के दर्शकों की संख्या में तेजी से गिरावट आई है क्योंकि निजी चैनल गुणवत्ता और लोकप्रियता के मामले में उनसे काफी आगे हैं;

(ख) यदि नहीं, तो विगत पांच वर्षों के दौरान निजी टेलीविजन और रेडियो चैनलों की तुलना में दूरदर्शन और आकाशवाणी के दर्शकों की संख्या, आय और लाभप्रदता का ब्यौरा क्या है; और

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय प्रसारण संगठनों को प्रदान की गई बजटीय सहायता का ब्यौरा क्या है और वह सहायता जिस उद्देश्य के लिए दी गई थी, क्या वह पूरा हुआ?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (ग): प्रसार भारती देश के लोक प्रसारक के रूप में कार्य करता है, जैसा कि प्रसार भारती अधिनियम की धारा 12 के तहत अधिदेश दिया गया है। इस सांविधिक भूमिका के अनुरूप, यह एक लोक सेवा प्रसारक के रूप में कार्य करता है, जो मुख्यतः निःशुल्क और जनहित प्रसारण संबंधी गतिविधियां संचालित करता है। इनमें ग्रामीण, जनजातीय, कम विकसित, सीमावर्ती और वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित क्षेत्रों के साथ-साथ रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अन्य क्षेत्रों में प्रसारण प्रदान करना शामिल है, जहां प्राइवेट प्रसारकों के लिए वाणिज्यिक व्यवहार्यता के अभाव के कारण पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। प्रसार भारती 'राष्ट्र सर्वोपरि' की नीति के साथ कार्य करता है, जो वाणिज्यिक लाभ की तुलना में लोक सेवा को प्राथमिकता देती है।

भारत सरकार, आकाशवाणी सहित प्रसार भारती के लिए प्रसारण अवसंरचना के विकास, आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम, "प्रसारण अवसंरचना एवं नेटवर्क विकास" (बीआईएनडी) के माध्यम से सहायता प्रदान करती है। वर्ष 2021-26 के लिए इस स्कीम का परिव्यय 2539.61 करोड़ रुपये है। पिछले पांच वर्षों यथा वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक, प्रसार भारती को प्रदान की गई कुल बजटीय सहायता लगभग 14,421 करोड़ रुपये थी, जिसमें प्रसार भारती में डीम्ड प्रतिनियुक्ति पर सरकारी कर्मचारियों के वेतन के साथ-साथ बीआईएनडी स्कीम के तहत आवंटन शामिल हैं।

मैसर्स ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बार्क) द्वारा प्रदान किए गए ग्रॉस यूनिक व्यूअरशिप के अनुमानों के अनुसार, सब्सक्राइब किए गए दूरदर्शन चैनलों ने 2021 से जनवरी 2026 तक कुल 372.8 करोड़ की संचयी व्यूअरशिप दर्ज की। आकाशवाणी और दूरदर्शन चैनलों का कंटेट की गुणवत्ता में निरंतर सुधार, नियमित ऑडियंस फ्रीडबैक तथा नए और आकर्षक कार्यक्रम प्रारूपों की शुरूआत के माध्यम से बेहतर बनाया जा रहा है।

प्रसार भारती द्वारा शुरू की गई कुछ नई पहल में शामिल हैं-

- प्रसार भारती का ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" 2024 में लॉन्च किया गया
    - बहु-शैली डिजिटल स्ट्रीमिंग एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म कई भारतीय भाषाओं में इंफोटेनमेंट सामग्री प्रदान कर रहा है
    - दूरदर्शन और आकाशवाणी नेटवर्क के विभिन्न चैनलों को इस प्लेटफॉर्म में एकीकृत किया गया है
- डीडी फ्री डिश (फ्री-टू-एयर डायरेक्ट-टू-होम)
    - वर्ष 2019 में 104 चैनलों से बढ़कर अब 510 चैनल हो गए हैं
    - इसमें दूरदर्शन चैनलों के अलावा प्राइवेट और शैक्षणिक टीवी चैनल शामिल हैं।
    - 48 आकाशवाणी रेडियो चैनल
- न्यूज़ऑनएयर ऐप
    - आकाशवाणी के 260 से अधिक लाइव रेडियो चैनल।

*****